NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 15
Chapter Name : स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन

Q1 कुछ पुरातन पंथी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे।द्विवेदी जी ने क्या-क्या तर्क देकर स्त्री-शिक्षा का समर्थन किया?
Answer .
कुछ पुरातन पंथी लोग स्त्रियों के विरोधी थे क्योंकि वे मानते थे कि स्त्रियों को पढ़ाना उनके गृह-सुख का नाश करना है। स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थ करना है तथा अभिमान का उत्पादक है। द्विवेदी जी ने पुरातन पंथियों के तर्कों का खंडन करते हुए स्त्री शिक्षा के पक्ष में निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए:-
*पुराने जमाने में स्त्रियों की शिक्षा हेतु कोई विश्वविद्यालय नहीं था तथा स्त्री शिक्षा हेतु नियमबद्ध शैली का उल्लेख पुराणों में नहीं था।
*प्राचीन युग में अनेक पदों की रचना स्त्री ने ही की थी।
*प्राचीन काल में भी स्त्रियां शिक्षा ग्रहण करती थी। सीता, शकुंतला आदि महिलाएं इसका उदाहरण है।
*जो लोग यह कहते हैं कि पुराने जमाने में स्त्रियां नहीं पढती थी वो या तो इतिहास से अनभिज्ञ हैं या फिर समाज के लोगों को धोखा देते हैं।
*यदि गृह कलह स्त्रियों की शिक्षा का ही परिणाम है तो मर्दों की शिक्षा पर भी प्रतिबंध लगाना चाहिए क्योंकि चोरी, डकैती, रिश्वत लेना,हत्या जैसे अपराध भी मर्दों की शिक्षा का ही परिणाम है।

Page :- 109 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं' - कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है, अपने शब्दों में लिखिए।
Answer.
स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं कुतर्कवादियों की इस दलील का महावीर प्रसाद द्विवेदी ने खंडन किया है क्योंकि स्त्री शिक्षा द्वारा ही समाज का उपकार हो सकता है।

Page :- 109 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 द्विवेदी जी ने स्त्री-शिक्षा विरोधी कुतर्कों का खंडन करने के लिए व्यंग्य का सहारा लिया है - जैसे 'यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरूषों का मुकाबला करतीं।' आप ऐसे अन्य अंशों को निबंध में से छाँटकर समझिए और लिखिए।
Answer.
इस प्रकार के अंश:-
*स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूंट ऐसी ही दलों और दुष्टातों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अनपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।
*स्त्रियों का किया हुआ अनर्थ यदि पढ़ने का परिणाम है तो पुरुषों का किया हुआ अनर्थ भी उनके विद्या और शिक्षा का ही परिणाम समझना चाहिए।

*जिन पंडितों ने गाथा सप्तशती, सेतुबंध महाकाव्य और कुमारपालचरित आदि ग्रंथ प्राकृतिक में बनाएं है, वे यदि अपढ और गंवार थे तो हिंदी के प्रसिद्ध अखबार का संपादक को इस जमाने में अनपढ़ और गंवार कहा जा सकता है क्योंकि वह अपने जमाने की प्रचलित भाषा में अखबार लिखता है।

Page :- 110 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा में बोलना क्या उनके अपढ़ होने का सबूत है - पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
Answer.
पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृतिक भाषा में उनके होने का सबूत नहीं है क्योंकि उस समय बोलचाल की भाषा प्राकृतिक ही थी। प्राकृतिक भाषा प्रचलित होने के कारण ही बौद्धो तथा जैनो ने हजारों ग्रंथों की रचना इसी भाषा में की। प्राकृत आम बोलचाल की भाषा थी जिसे शिक्षितो द्वारा भी बोला जाता था जिस तरह हिंदी आज जनसाधारण की भाषा है। यदि हिंदी बोलना लिखना अपढ़ और अशिक्षित होने का प्रमाण नहीं है, तो उस समय प्राकृत बोलने वाले भी अनपढ़ या गंवार नहीं हो सकते। इसका एकमात्र कारण यही है कि प्राकृत उस समय की सर्वसाधारण की भाषा थी। अतः उस समय की स्त्रियों का प्राकृत भाषा में बोलना उनके अपढ होने का सबूत नहीं है।

Page :- 110 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q5 परंपरा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए जो स्त्री-पुरुष समानता को बढ़ाते हों-तर्क सहित उत्तर दीजिए।
Answer.
हमारी परंपरा वैसे भी काफी पुरानी है जरूरी नहीं है कि हमें सारी बातें अपनानी चाहिए जो अपनाने योग्य बातें हैं हमें वही अपनानी चाहिए। स्त्री पुरुष समाज की धुरी के दो पहिए हैं एक के बिना दूसरा अधूरा है। समाज की उन्नति पुरुष और स्त्री दोनों के कदमों पर टिकी है स्त्री तथा पुरुष दोनों समान है ऐसे में स्त्रियों को कम महत्व देना गलत है। अतः स्त्री तथा पुरुष के असमानता की परंपरा को भी बदलना जरूरी है।

Page :- 110 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है? स्पष्ट करें।
Answer.
पहले की शिक्षा प्रणाली और आज की शिक्षा प्रणाली में काफी अंतर है। पहले शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को गुरुकुल में रहना पड़ता था परंतु आज शिक्षा प्राप्ति के लिए विद्यालय हैं। पहले शिक्षा एक वर्ग तक सीमित थी लेकिन आज किसी भी जाति तथा वर्ग के लोग शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। प्राचीन काल में शिष्य शिक्षा प्राप्ति के साथ-साथ अपने सभी कार्य स्वयं करता था तथा व्यवहारिक शिक्षा अस्त्र शस्त्र की शिक्षा भी प्राप्त करता था किंतु आधुनिक शिक्षा केवल किताबी ज्ञान हैं।

Page :- 110 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q7 महावीरप्रसाद द्विवेदी का निबंध उनकी दूरगामी और खुली सोच का परिचायक है, कैसे?
Answer.
महावीर प्रसाद द्विवेदी के प्रस्तुत निबंध में यह दर्शाया गया है कि स्त्री के लिए शिक्षा कितनी जरूरी है। उन्होंने स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन किया है। यह उनकी खुली सोच एवं दूरगामी का परिचायक है। वे जानते थे कि घर की स्त्री के शिक्षित होने पर पूरा समाज शिक्षित हो सकेगा और राष्ट्रीय उन्नति करेगा। आज समाज में बहुत बदलाव आया है और यह सारे परिवर्तन ऐसी ही सोच का परिणाम है।

Page :- 110 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q8 द्विवेदी जी की भाषा-शैली पर एक अनुच्छेद लिखिए।
Answer.
द्विवेदी जी अपने समय के भाषा सुधारक थे। उन्होंने खड़ी बोली का अत्यंत परिष्कृत रूप गद्दे के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उन्होंने सुसंगत भाषा का प्रयोग किया है। उनकी भाषा ने निबंध को अत्यंत प्रभावशाली एवं रोचक बना दिया है।

Page :- 110, Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q9 निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों को ऐसे वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए जिनमें उनके एकाधिक अर्थ स्पष्ट हों -
चाल, दल, पत्र, हरा, पर, फल, कुल
Answer.
चाल :- यदि दुनिया की चाल बदलना चाहते हो तो पहले लोगों की चालो से बचो।
दल :- इस बार मोहित के दल ने सभी राजनीतिक दलों के इरादे बदल दिए।
पत्र :- आज के समाचार पत्र में नेहरू जी द्वारा इंदिरा गांधी को लिखा पत्र छपा है।
हरा :- भारत के खिलाड़ियों ने हरे मैदान में प्रतिद्वंद्वी टीम को हरा दिया।
पर :- उस डाल पर बैठे पक्षी के पर कितने सुंदर हैं।
फल :- सड़े फल खाने का फल अच्छा नहीं होगा।
कुल :- हमारे कुल छात्रों के कुल अंक 75% रहे।

Page :- 110, Block Name :- भाषा अध्ययन